100 करोड़ का निवेश लेकर आ रही प्लास्टिक बैग फैक्टरी

गीडा स्थापना दिवस समारोह में सीएम योगी ने दिया था भूमि आवंटन पत्र, फैक्टरी के लिए पांच एकड़ जमीन मिली, एक साल में शुरू हो जाएगा उत्पादन

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। लिंक एक्सप्रेस-वे के किनारे बसाए जा रहे औद्योगिक गलियारे में भी फैक्टरियां लगनी शुरू हो गई हैं। पेप्सिको के बगल में स्टील पाइप बनाने वाली फैक्टरी एपीएल अपोलो का अगले महीने निर्माण कार्य शुरू होगा। इसके बाद अब प्लास्टिक पार्क में प्लास्टिक बैग (बोरी) बनाने की पहली फैक्टरी भी लगने जा रही है।

उद्योगपति अमित बथवाल को इसके लिए पांच एकड़ जमीन आवंटित हो गई है। गीडा के स्थापना दिवस समारोह में सीएम योगी ने इन्हें जमीन का आवंटन पत्र सौंपा था। इसके स्थापित होने से करीब 300 लोगों को रोजगार मिलेगा। एक साल के अंदर इस फैक्टरी से उत्पादन शुरू हो जाएगा।

बदल रहा है गोरखपुर

गोरखपुर में खाद के बाद अब सीमेंट कारखाना भी लगने वाला है। इसके अलावा जूट के बोरे की जगह अधिकांश सामान प्लास्टिक बैग में पैक हो रहे हैं। बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए प्लास्टिक बैग बनाने वाली फैक्टरी लगाने की योजना बनाई है। जल्द ही इसका निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। एक साल के अंदर इससे उत्पादन भी शुरू हो जाएगा। फैक्टरी में करीब 100 करोड़ रुपये का निवेश होगा, जिससे लगभग 300 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा।
- अमित बथवाल, उद्यमी गीडा

गीडा का प्लास्टिक पार्क लिंक एक्सप्रेसवे के किनारे है। करीब 88 एकड़ के इस सेक्टर में प्लास्टिक से संबंधित फैक्टरी ही लगाई जानी है। इसमें पहली फैक्टरी टेक्नोप्लास्ट लगी है, जिसमें प्लास्टिक के जार का निर्माण होना है। अब इसके पास ही प्लास्टिक बैग बनाने की वाली यूनिट भी लगाने की तैयारी शुरू हो गई है। शहर के प्रमुख उद्योगपतियों में शामिल अमित बथवाल ने इसके लिए 100 करोड़ रुपये निवेश का प्रस्ताव दिया है। इनके प्रस्ताव के अनुरूप गीडा प्रशासन ने पांच एकड़ जमीन का आवंटन किया है।

30 नवंबर को गीडा के स्थापना दिवस समारोह में जिन पांच लोगों को फैक्टरी लगाने के लिए जमीन का आवंटन पत्र वितरित किया गया था, उसमें अमित बथवाल भी शामिल थे। बता दें कि अमित बथवाल ने इससे पहले गोरखनाथ इंडस्ट्रियल एरिया में भी प्लास्टिक बैग बनाने की दो फैक्टरियां लगा रखी हैं। गीडा में लगने वाली फैक्टरी की खासियत यह है कि इसमें प्लास्टिक रिसाइकिलिंग प्लांट भी होगा। मतलब यह कि खराब प्लास्टिक का संशोधन कर उससे बने रेशे से बोरियां बनाई जाएंगी। इससे खराब प्लास्टिक की भी खपत हो जाएगी।

हर दिन है करीब 10 लाख बोरी की मांग: गोरखपुर और आसपास के जिलों में हर दिन करीब 10 लाख बोरी की खपत है। अकेले गोरखपुर के खाद कारखाना के लिए ही हर दिन लगभग पांच लाख से अधिक प्लास्टिक बोरी की मांग रहती है। इसके अलावा सरकारी राशन की पैकिंग भी अब प्लास्टिक की बोरियों में होने लगी है। प्राइवेट दुकानदार भी अनाज व कई अन्य सामान प्लास्टिक की 50 किलोग्राम वाली बोरी में पैक कराते हैं। इसके चलते भी मांग बनी हुई है। अभी गोरखपुर व आसपास के क्षेत्र में प्लास्टिक बैग की सबसे अधिक आपूर्ति कानपुर और दिल्ली से होती है। डिमांड को देखते हुए ही उद्यमी अमित बथवाल ने गीडा में 100 करोड़ निवेश से प्लास्टिक बैग बनाने के लिए फैक्टरी लगाने की योजना बनाई।

दुधिया रोशनी से जगमगाएगा पैडलेगंज-फिराक चौराहा मार्ग

संवाद न्यूज एजेंसी

पैडलेगंज से फिराक चौक रोड पर लगीं लाइटें। संवाद

गोरखपुर। शहर में लोगों को जाम से निजात दिलाने के लिए पैडलेगंज से फिराक गोरखपुरी चौराहे तक बन रही नई फोरलेन सड़क का काम दिसंबर के अंत तक पूरा होने की उम्मीद है। फोरलेन सड़क पर डिवाइडर बनाने के साथ ही फैंसी स्ट्रीट लाइट लगाने का काम शुरू कर दिया गया है।

पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों का दावा है कि सड़क का काम तेजी से कराया जा रहा है। नाला, पुलिया सहित अन्य कामों के साथ ही डिवाइडर और लाइट का काम जारी है। जल्द यह सड़क रात में दुधिया रोशनी से जगमगा उठेगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए पैडलेगंज से लेकर फिराक गोरखपुरी चौराहे तक फोरलेन सड़क का निर्माण किया जा रहा है। अप्रैल 2023 में करीब 1800 मीटर सड़क का निर्माण शुरू हुआ था। इसके लिए शासन ने 255 करोड़ का बजट जारी किया।

सड़क का काम नवंबर 2024 तक पूरा किए जाने का लक्ष्य रखा गया था, जो दिसंबर के अंत तक करने का दावा पीडब्ल्यूडी के अधिकारी कर रहे हैं। उनका कहना है कि 10 से 15 फीसदी काम बाकी है। इसे एक माह के भीतर पूरा करा लिया जाएगा। इस रोड पर छात्रसंघ चौराहा की तरफ से लाइट लगाने और डिवाइडर बनाने का काम चल रहा है। पैडलेगंज की ओर से एक नर्सिंग होम के सामने नाला का निर्माण कराया जा रहा है।

फैंसी स्ट्रीट लाइट लगाने का काम शुरू

फिराक चौराहे की तरफ से कैंट थाने के आगे तक फैंसी स्ट्रीट लाइट लगा दिया गया है। इसके आगे लाइट लगाने का काम चल रहा है। जल्द यह पूरी सड़क रात में दुधिया रोशनी से नहा उठेगी।

फोरलेन सड़क निर्माण के साथ किनारे लाइटिंग की तैयारी में जुटा पीडब्ल्यूडी

पैडलेगंज से फिराक चौराहा तक फोरलेन का काम तेज गति से पूरा कराया जा रहा है। लाइट और डिवाइडर आदि का काम चल रहा है। इसे जल्द ही पूरा करा लिया जाएगा। संभावना है कि दिसंबर के अंत तक काम पूरा कर लिया जाए। -अरविंद कुमार, एक्सईएन, पीडब्ल्यूडी